सत्यमेव जयते

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च, 2015 के अवसर पर श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी, माननीया मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा संदेश

प्रतिवर्ष 8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस विश्व स्तर पर मनाया जाता है। यह अवसर हमारे लिए महिलाओं के योगदान एवं उपलब्धियों का सम्मान करने के लिए ही नहीं है, बल्कि यह इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की विषयवस्तु **"महिलाओं का सशक्तिकरण, मानवता सशक्तिकरण का प्रतिबिम्ब"** को ध्यान में रखते हुए महिलाओं को सशक्त करने के संकल्प को दोहराने का भी अवसर है।

प्राचीन समय से ही समाज में महिला की बहुआयामी भूमिका रही है जिसकी पहचान पहले की अपेक्षा अब विश्व स्तर पर बढ़ती जा रही हैं। आज वह अपनी भूमिकाओं से आगे बढ़ कर अपनी विशिष्ट पहचान बनाने की ओर निरंतर प्रयासरत् है।

तथापि महिलाओं और पुरूषों के बीच असमानताओं को दूर करने की चुनौती अभी भी बनी हुई है। इस चुनौती का सामना करने के लिए अवसरों के नए आयामों की भी आवश्यकता है और उन सभी महिलाओं, विशेष कर हमारी ग्रामीण बहनों के जीवन स्तर को सुधारना है, जो सशक्तिकरण की दौड़ में पीछे हैं। महिला साक्षरता एवं वित्तीय साक्षरता उनके लिए एक ऐसा मंच है जो उन्हें इस स्वरूप को बदलने का अवसर प्रदान करता है।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस उन सभी के अभिनन्दन का भी अवसर है, जो महिला सशक्तिकरण और उनके उत्थान के लिए समर्पित हैं। मै सभी से अपील करती हूँ कि इस कार्य में सक्रिय रूप सें अपनी भागीदारी करते हुए महिलाओं को प्रोत्साहित करें जिससे वे समाज में अपना उचित स्थान प्राप्त करें।